

उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लि०, प्रधान कार्यालय, लखनऊ।

परिपत्र सं०- सी-239

/विधि-2/05-06

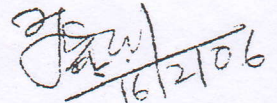
दिनांक:- 18.02.06

समस्त शाखा/वरिष्ठ प्रबन्धक,
सहकारी ग्राम विकास बैंक लि०,
उत्तर प्रदेश/उत्तरांचल।

बैंक के परिपत्र सं० सी-225/विधि-2/05-06, दिनांक:-31.01.06 के द्वारा समस्त शाखा/वरिष्ठ प्रबन्धकों को निर्देशित किया जा चुका है कि वसूली सम्बन्धी दीवानी न्यायालयों में दायरवादों की स्वीकृति उप महाप्रबन्धक (विधि) से प्राप्त करने के उपरान्त शाखा/वरिष्ठ प्रबन्धक जनपद के पेनल अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में जवाबदावा हस्ताक्षर कर दाखिल करेंगे।

उक्त के सम्बन्ध में निर्देशित किया जाता है कि जहाँ मुकदमों की पैरवी हेतु पेनल गठन/पुनर्गठन की आवश्यकता हो वहाँ सम्बन्धित शाखा प्रबन्धक निम्नलिखित शर्तों के अधीन पेनल का गठन, उप महाप्रबन्धक (विधि) को अधिवक्ताओं का सम्पूर्ण विवरण प्रेषित करते हुये तत्काल करा लें।

1. प्रत्येक ऐसे स्थान पर जहाँ न्यायालय स्थित है पेनल बनाया जाये।
2. वर्तमान पेनल के ऐसे वकील जिनका कार्य अब तक ठीक रहा है और 50% से अधिक मुकदमों में बैंक पक्ष में उनके द्वारा निर्णीत कराये गये हैं तो उन्हें पेनल में बनाए रखा जाय।
3. पेनल में जो वकील रखे जाय उनको कम से कम 05 वर्ष का वकालत का अनुभव अवश्य हो।
4. पेनल में वहीं वकील रखे जाय जो बैंक के विरुद्ध किसी मुकदमों में प्रतिपक्षी के वकील न हो। बैंक के विरुद्ध कार्य करने पर उन्हें तत्काल पेनल से निष्कासित कर दिया जायेगा।
5. पेनल में रखे गये वकीलों को जनरल रूल्स सिविल में निर्धारित दरों एवं प्रक्रिया के अनुसार पारिश्रमिक का भुगतान किया जायगा।
6. पेनल के वकीलों का यह दायित्व होगा कि बैंक से सम्बन्धित विधिक मामलों में आवश्यकता पड़ने पर विधिक परामर्श निःशुल्क उपलब्ध करायें।
7. पेनल में 3 से 5 तक वकील रखे जाय जिसमें कम से कम दो वकील पिछड़े वर्ग तथा अनुसूचित जाति के रखें जाय।


16/2/06

(एम० के० द्विवेदी)

प्रबन्ध निदेशक

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. समस्त अधिकारीगण, प्रधान कार्यालय, लखनऊ।
2. उप महाप्रबन्धक (प्रशिक्षण) उ० प्र० सं० ग्रा० वि० बैंक लि०, 10 माल एवेन्यू, लखनऊ।
3. वैयक्तिक सहायक, सभापति को माननीय सभापति महोदय के अवलोकनार्थ।


16/2/06

प्रबन्ध निदेशक